हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

11 स्कीम वर्कर्स का सब्र टूटा, दिसंबर में दिल्ली कूच का किया ऐलान



12 लोक अदालत में 60 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा



## खबर संक्षेप

### अवैध देशी शराब सहित आरोपी को किया काबू

**फतेहाबाद।** अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जाखल पुलिस ने एक आरोपी को 14 बोतल अवैध देशी शराब सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान पुजारी पुत्र महाबीर निवासी मास्टर कॉलोनी, जाखल के रूप में हुई है।

### बस अड्डे के पास हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक आरोपी को 7.68 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान सुनील पुत्र सतबीर निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि उप निरीक्षक दया राम के नेतृत्व में पुलिस टीम पंजाब बॉर्डर नाका मनियाना-बलियावाला क्षेत्र में गश्त एवं अपराधों की रोकथाम के लिए मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की।

### सेंध लगाकर करीब एक लाख की नकदी चोरी

**सिरसा।** जिले के गांव देसूजोधा की मांगेआना रोड स्थित अनाज मंडी में आढ़त व स्प्रे की दुकान से चोर दुकान का पिछला दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और गल्ले का लॉक तोड़कर करीब 1 लाख 5 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मंडी डबवाली निवासी मोहित ने बताया कि उसकी देसूजोधा अनाज मंडी में आढ़त व स्प्रे की दुकान है। वह अपने पिता के साथ दुकान संभालता है। 1 अक्तूबर की शाम वह रोजाना की तरह दुकान बंद करके मंडी डबवाली स्थित अपने घर चला गया।

### सोहनलाल खीपल बने स्वर्णकार समाज प्रधान

**रतिया।** स्वर्णकार समाज की बैठक अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक में समाज की एकजुटता, आपसी भाईचारे और समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। समाज के सभी सदस्यों की सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए सोहनलाल खीपल को सर्वसम्मति से प्रधान तथा हरवीर जौड़ा को उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। समाज के सदस्यों ने नवनियुक्त प्रधान एवं उपप्रधान को शुभकामनाएं दी।

### टोंटियां चोरी करने के प्रयास में आरोपी काबू

**फतेहाबाद।** कोर्ट कॉम्प्लेक्स के बाथरूम से नल की टोंटियां चोरी करने के प्रयास के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान संदीप पुत्र राजकुमार निवासी शक्ति नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है।

### पंजीकरण 130, फिजिकल वेरिफिकेशन 35, आज 28 राइस शैलरों की होगी अलॉटमेंट

# शैलर अलॉटमेंट के बिना खरीद हुई तो मंडियों में सड़ेगा धान, लिफ्टिंग अटकी तो होगा नुकसान

**आढ़तियों का सवाल-खरीद के बाद धान उठेगा कैसे**

**लिफ्टिंग और मिलिंग की व्यवस्था बन सकती है सबसे बड़ी चुनौती**

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सरकारी धान खरीद व्यवस्था के सामने इस समय सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिना राइस मिल अलॉटमेंट और एग्रीमेंट के एजेंसी किसानों से खरीदा गया धान रखेगी कहां। जिले में राइस शैलरों का पंजीकरण तो हुआ है, लेकिन अभी तक पंजीकृत सभी शैलरों को खरीद एजेंसियों की ओर से मिलिंग का अलॉटमेंट नहीं मिला है। ऐसे में यदि एजेंसियां मंडियों से धान की खरीद शुरू भी कर देती हैं तो खरीदे गए धान की समय पर लिफ्टिंग और मिलिंग की व्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। धान मंडियों में पड़ा रहा तो नमी कम होने के साथ वजन घटेगा और इसका सीधा नुकसान किसान को उठाना पड़ेगा। डीएफएएसी कुशल बूरा की मानें तो इस समय कुल 130 राइस शैलरों का पंजीकरण हो चुका है। 35 राइस शैलरों का फिजिकल वेरिफिकेशन कर लिया गया है। तीन राइस शैलरों को पहले ही अलॉटमेंट दी गई है जबकि 25 राइस शैलरों को आज अलॉटमेंट दे दी जाएगी। पिछले कई दिनों से आढ़ती खरीद का इसलिए विरोध कर रहे हैं कि एजेंसी धान तो खरीद लेगी लेकिन उठाएगी नहीं। आढ़तियों का कहना है कि सिर्फ खरीद शुरू करना पर्याप्त नहीं है। खरीद के साथ ही धान की लिफ्टिंग और मिलिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। यदि एजेंसी ने किसान का धान खरीद लिया, लेकिन उसे रखने के लिए संबंधित राइस मिल अलॉट नहीं हुई तो खरीदा गया धान मंडी से उठेगा कैसे, यही सबसे बड़ा सवाल है।



फतेहाबाद। अनाज मण्डी में लगी धान की ढेरियां। फोटो: हरिभूमि

**शैलरों की संख्या काफी कम**

राइस शैलरों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए पिछले साल की व्यवस्था पर नजर डालना जरूरी है। पिछले वर्ष जिले में करीब 261 राइस शैलर सरकारी धान की मिलिंग व्यवस्था से जुड़े थे। इस बार शुरुआती चरण में पंजीकरण कराने वाले शैलरों की संख्या काफी कम रही। 130 शैलरों का पंजीकरण हो चुकी है। यानी पिछले साल की तुलना में इस बार शुरुआती दौर में सरकारी खरीद व्यवस्था से जुड़वे वाले शैलरों की संख्या काफी कम रही। इसके बाद डीएमसी की ओर से कुछ शैलरों को मिलिंग की स्वीकृति दिए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन सभी पंजीकृत शैलरों को अलॉटमेंट और एग्रीमेंट की प्रक्रिया पूरी होना अभी बाकी है।

**आवक बढ़ी तो समस्या और गंभीर होने की आशंका**

जिले की मंडियों में धान की आवक आने वाले दिनों में और बढ़ने की संभावना है। अभी शुरुआती आवक के बावजूद यदि खरीद और उठान की प्रक्रिया में तालमेल नहीं बैठा तो आगे स्थिति और गंभीर हो सकती है। किसानों का धान मंडियों में पहुंचता रहेगा, लेकिन खरीदे गए स्टॉक की लिफ्टिंग उसी गति से नहीं हुई तो मंडियों में ढेर बढ़ते जाएंगे। आढ़तियों का कहना है कि सरकार को खरीद एजेंसियों को केवल खरीद का लक्ष्य देने के बजाय राइस मिल अलॉटमेंट, एग्रीमेंट, स्टोरेज, लिफ्टिंग और मिलिंग की पूरी व्यवस्था पहले सुनिश्चित करनी चाहिए। इससे खरीद के बाद धान मंडियों में फंसने की स्थिति नहीं बनेगी और किसानों को सूखत का नुकसान भी नहीं उठाना पड़ेगा।

**खरीद शुरू, लेकिन लिफ्टिंग की व्यवस्था पर सवाल**

प्रदेश में परमल धान की सरकारी खरीद 29 सितंबर से शुरू हो चुकी है। इसके बावजूद फतेहाबाद में शुरुआती दिनों में खरीद प्रक्रिया शैलरों के साथ एग्रीमेंट और मिलिंग अलॉटमेंट की कमी के कारण प्रभावित रही। मंडियों में किसान लगातार धान लेकर पहुंच रहे हैं और आवक बढ़वे के साथ स्टॉक भी बढ़ता जा रहा है। यदि खरीद एजेंसियां अब धान खरीदती हैं तो उसके बाद सबसे महत्वपूर्ण चरण उसकी लिफ्टिंग का होगा। मंडियों में खरीदा हुआ धान पड़ा रहा तो एक ओर मंडियों में जगह की समस्या बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर धान के वजन में कमी आने की आशंका रहेगी। किसान को जिस मात्रा के आधार पर भुगतान मिलना है, उसमें सूखत के कारण अंतर आने पर नुकसान किसान की तरफ ही जाएगा।

***25 राइस शैलरों को आज अलॉटमेंट दे दी जाएगी***

*इस समय कुल 130 राइस शैलरों का पंजीकरण हो चुका है। 35 राइस शैलरों का फिजिकल वेरिफिकेशन कर लिया गया है। तीन राइस शैलरों को पहले ही अलॉटमेंट दी गई है जबकि 25 राइस शैलरों को आज अलॉटमेंट दे दी जाएगी।* *-कुशल बूरा, डीएफएससी फतेहाबाद*

## सिरसा : 1509 धान के भाव गिरे, परमल के दामों से राहत

*मंडी में एक दिन में 200 रुपये तक टूटा 1509 धान का भाव*

●

*पीआर-14 हाथों-हाथ बिक रही*

हरिभूमि न्यूज ⏭रानियां

रानियां के धान बाजार में इस बार उलटी तस्वीर देखने को मिल रही है। मंडी में 1509 धान के भाव अचानक नीचे आ गए हैं, जबकि खेतों में पककर तैयार हो रही परमल की पीआर-14 किस्म हाथों-हाथ बिक रही है। करनाल, कैथल और तरावड़ी के व्यापारी रानियां क्षेत्र के खेतों में पहुंचकर खड़ी फसल के सौदे कर रहे हैं और कटाई के साथ ही धान सीधे करनाल, कैथल और कुरुक्षेत्र क्षेत्र की फैक्ट्रियों में भेजा जा रहा है। 1509 के मंदे से जहां किसानों में मायूसी है, वहीं परमल के अच्छे भाव राहत दे रहे हैं। रानियां अनाज मंडी में 1509 धान के भाव में एक दिन में करीब 200 रुपये प्रति क्विंटल तक की गिरावट आई है। एक दिन पहले जिस ढेरी का भाव 4,470 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचा था, अब उसी ढेरी का भाव 4,270 रुपये प्रति क्विंटल तक आने के बावजूद खरीदार नहीं मिल रहा। मंडी में पहुंची अधिकांश 1509 की ढेरियों के भाव 4,100 से 4,200 रुपये प्रति क्विंटल के बीच रहे।

***पीआर-14 की मांग***

*व्यापारिक क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि पीआर-14 का उपयोग बासमती धान में मिश्रण के लिए किया जाता है। बासमती के अपेक्षाकृत ऊंचे भाव के चलते इस किस्म की मांग मजबूत बनी हुई है। वहीं, माना जा रहा है कि सरकारी खरीद में परमल की पूसा किस्म की आवक अधिक रह सकती है। फिलहाल रानियां के धान बाजार में 1509 मंदे की चपेट में है, जबकि परमल खेत से ही अच्छे भाव में निकल रहा है। आने वाले दिनों में सरकारी खरीद शुरू होने के साथ मंडी में परमल की आवक बढ़ती है या किसान खेत से ही फसल बेचते हैं, इस पर किसानों और व्यापारियों की नजर बनी हुई है।*



फतेहाबाद। नई अनाज मण्डी में बंद पड़ी कैंटीन। फोटो: हरिभूमि

## किसान मंडी में रात गुजार रहे, कैंटीन पर लगा ताला

- धान की ढेरी बनी बिस्तर, खाने के लिए मंडी से बाहर जा रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सिरसा रोड स्थित नई अनाजमंडी में धान की ढेरियों के बीच किसानों का डेरा बढ़ता जा रहा है। फसल की सरकारी खरीद शुरू होने के इंतजार में कई किसान पिछले कई दिनों से मंडी में ही रात गुजार रहे हैं। दिनभर धान की ढेरी के पास खरीद का इंतजार और रात को वहीं सोना उनकी मजबूरी बन गया है। लेकिन मंडी में रुके इन किसानों के लिए खाने की सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। किसान कैंटीन के बूथ पर ताला

**कैंटीन का ठेका हो चुका, जल्द शुरू करेंगे**

मार्केट कमेटी फतेहाबाद के सचिव अमित रोहिल्ला ने बताया कि मंडी में कैंटीन का ठेका हो चुका है। जल्द ही कैंटीन शुरू कर दी जाएगी। यहां किसानों के लिए भोजन सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी।

**रात मंडी में, खाना बाहर से**

मंडी में फसल लेकर आए किसानों ने बताया कि वे कई दिनों से मंडी में फसल लेकर रुके हुए हैं। दिनभर खरीद का इंतजार करने के बाद रात को भी फसल की रखवाली के लिए मंडी में ही रहना पड़ता है। ऐसे में सुबह की चाय से लेकर भोजन तक के लिए बाहर स्थित ढाबों पर जाना पड़ रहा है।

## खरीद शुरू न होने से भड़के किसान, पुतला फूंका

### सिरसा : किसानों की कैपिंग हटाने और सरकारी खरीद शुरू करने की मांग



सिरसा। रोड़ी अनाज मंडी में सरकार का पुतला फूंकते किसान। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

किसान विरोधी फसलों को लेकर रविवार को किसानों ने जिले की रोड़ी अनाज मंडी में रविवार को रोष प्रदर्शन कर हरियाणा सरकार का पुतला फूंका। किसान नेता लखविंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर भारतीय किसान एकता के सदस्य रोड़ी अनाज मंडी में एकत्रित हुए और रोष जाहिर किया। लखविंद्र सिंह ने बताया कि राज्य भर की अनाज मंडियों में धान खरीद में हो रही देरी, जिलेवार लगाई गई खरीद लिमिट (कैपिंग), फसल पंजीकरण और वेरिफिकेशन की जटिल प्रक्रियाओं से किसान बुरी तरह परेशान हैं। किसानों की मांग है कि फसल कटाई के लिए कंबाइन का समय तय करने और जिलेवार धान खरीद पर लगाई गई लिमिट/कैप को तुरंत रद्द किया जाए। 21 से 27 सितंबर तक खोले गए पोर्टल पर जिन किसानों ने आवेदन किए हैं, उनका पंजीकरण और वेरिफिकेशन तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाए, ताकि वे अपनी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेच सकें। रोड़ी मंडी में 27 सितंबर से किसानों की 2300 क्विंटल धान पड़ी है, लेकिन अभी तक सरकारी खरीद शुरू नहीं हुई है, जिससे फसलों के चोरी होने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि किसानों को आ रही समस्याओं को लेकर डीएमई ने आश्वासन दिया कि राइस मिलरों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर सोमवार से खरीद शुरू कर दी जाएगी। किसानों ने मांग रखी कि सभी मंडियों व फोकल पॉइंटों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए जाएं।

### फतेहाबाद : हर दाने की तुलाई शुरू नहीं हुई तो आंदोलन होगा उग्र



फतेहाबाद। मार्किट कमेटी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर पुतला फूंकते किसान।

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

एक तरफ जहां क्षेत्र का किसान दिन-रात मेहनत करके अपनी धान की पकी हुई फसल को बेचने की उम्मीद में मंडियों में पहुंच रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन की ढुलमुल कार्यप्रणाली और खरीद एजेंसियों की मनमानी ने अन्नदाता की कमर तोड़ कर रख दी है। मंडियों में सरकारी स्तर पर धान की खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं होने के कारण किसानों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। इसी अव्यवस्था और प्रशासनिक अनदेखी से नाराज किसानों ने रविवार को किसान-मजदूर संघर्ष मोर्चा के बैनर तले फतेहाबाद व रतिया में मार्किट कमेटी कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उग्र किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा कृषि मंत्री का पुतला फूंककर अपने भारी आक्रोश का इजहार किया। किसानों ने दो टूक शब्दों में मांग उठाई कि सरकार तुरंत संज्ञान लेकर मंडियों में धान की सुचारू और पारदर्शी खरीद की व्यवस्था सुनिश्चित करे ताकि किसानों को और अधिक परेशान न होना पड़े। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही खरीद व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और हर एक दाने की तुलाई शुरू नहीं हुई, तो किसान इस संघर्ष को और उग्र रूप देंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और हरियाणा सरकार की होगी।,

## कांस्य पदक जीतने पर पूजा के घर पहुंचे सांसद, दी बधाई

*एशियन गेम्स-2026 में दिखाया शानदार प्रदर्शन*

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

एशियन गेम्स-2026 में हाई जंप (ऊंची कूद) स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश व हरियाणा का गौरव बढ़ाने वाली गांव बोस्ती की बेटी पूजा सिंह के निवास स्थान पर रविवार को राज्यसभा सांसद सुभाष बराला पहुंचे। सांसद बराला ने पूजा सिंह व उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया तथा इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सांसद ने कहा कि गांव की मिट्टी से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा लहराना पूजा की मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि हरियाणा की बेटी पूजा सिंह ने एशियन गेम्स में अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। सांसद ने पूजा सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे भविष्य में भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करती रहेंगी।



फतेहाबाद। एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाली पूजा को बधाई देते सांसद।

**मौसम** दिन का पारा 35-37 डिग्री से ऊपर, 28 से 30 डिग्री तापमान बुवाई के लिए बेहतर

## सरसों बुवाई के लिए तापमान घटने का इंतजार, अगले सप्ताह से मौसम होगा अनुकूल, रात का तापमान सामान्य से रहेगा ऊपर

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सरसों की बुवाई का समय शुरू होने वाला है, लेकिन फिलहाल दिन का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। फतेहाबाद में इन दिनों अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस या इससे ऊपर चल रहा है। ऐसे में किसान सरसों की बुवाई के लिए तापमान में कमी आने का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सरसों की अच्छी शुरुआत के लिए अधिकतम तापमान करीब 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहना अनुकूल माना जाता है। अगले सप्ताह तापमान में धीरे-धीरे कमी आने के साथ सरसों की बुवाई के लिए परिस्थितियां बेहतर होने की उम्मीद है। मौजूदा तापमान में सरसों की बुवाई करने पर अंकुरण और शुरुआती बढ़वार प्रभावित होने की आशंका रहती है। अधिक गर्मी में मिट्टी की ऊपरी परत का तापमान बढ़ने से नमी जल्दी खत्म हो सकती है।



फतेहाबाद। खेतों में खिली सरसों की फसल। (फाइल फोटो)

***पश्चिमी विक्षोभ बार-बार बदलेगा मौसम का मिजाज***

*मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार अक्टूबर के दौरान पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता बनी रहने की संभावना है। पूरे महीने में करीब 5 से 7 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकते हैं। इनके प्रभाव से मौसम में समय-समय पर बदलाव देखने को मिलेगा। कहीं आंशिक बादल छा सकते हैं तो कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। महीने के शुरुआती दिनों में गर्मी का असर बना रहेगा। इससे एक तरफ लोगों को दिन की गर्मी से राहत मिल सकती है, वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए रबी सीजन की फसलों की बुवाई का वातावरण भी अनुकूल होता जाएगा।*

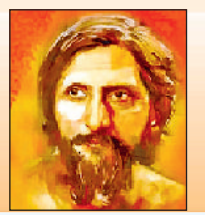
**दिन के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट का रुख बनेगा**

सरसों की बुवाई के बीच अक्टूबर में मौसम का मिजाज पूरी तरह ठंडा होने में अभी समय लगेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस माह न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने के आसार हैं। इसका असर खासकर रात के तापमान पर दिखाई देगा। महीने की शुरुआत में रातें अपेक्षाकृत गर्म रह सकती हैं, जबकि दिन के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट का रुख बनेगा। रविवार को फतेहाबाद में अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे की तुलना में अधिकतम तापमान में करीब एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई, जबकि न्यूनतम तापमान में करीब 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले अधिकतम तापमान 33 से 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान करीब 23 डिग्री के आसपास बना हुआ था।

**तापमान कम होते ही बढ़ेगी बुवाई की रफ्तार:** अक्टूबर के पहले सप्ताह में दिन का तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहने के बाद इसमें धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है। तापमान 30 डिग्री के आसपास पहुंचने पर सरसों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल होना शुरू हो जाएगा। ऐसे में अगले सप्ताह से जिले में सरसों की बुवाई का काम तेज होने की उम्मीद है। किसानों के लिए यह समय खेत की तैयारी पूरी करने का भी है।

*पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।*

*- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'*



*उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।*





कहानी

अशोक जैन

# दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'


*वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था*


लघुकथा

# इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



## दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



## बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

# कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी




कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

**श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।**

कुछ हटकर

# बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

### प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



### प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

### हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

### एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

# सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

## बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर

## खबर संक्षेप

### हेरोइन तस्करी के तीन आरोपी गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर रतिया पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए हेरोइन तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में मुख्य सप्लायर सहित तीन आरोपियों को काबू किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से नशा तस्करों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।
थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने बताया कि पहले मामले में पुलिस ने 8.08 ग्राम हेरोइन बरामदगी के केस में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है।

### अंडर-17 क्रिकेट लीग के फाइनल में पहुंचीं दो टीमें

**रतिया।** क्षेत्र में युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने के उद्देश्य से आयोजित अंडर-17 क्रिकेट लीग का खुमार चरम पर पहुंच गया है। रविवार को खेले गए दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों में कांटे की टक्कर देखने को मिली। बेहद रोमांचक मोड़ों से गुजरते हुए खोखर एंड रूपल आर्मी और तूफान इलेवन ने अपने-अपने मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। आयोजक अमन अरोड़ा, हरप्रीत भुल्लर और वीरपाल कलोठा ने बताया कि पहला सेमीफाइनल रतिया ईगल्स और खोखर एंड रूपल आर्मी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रतिया ईगल्स की टीम ने 79 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खोखर एंड रूपल आर्मी ने भी करारा जवाब दिया और मैच टाई हो गया।

### सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलाया अभियान

**सिरसा।** जिले की विभिन्न नगर परिषदों एवं नगर पालिकाओं द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आमजन को सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के लिए जागरूक किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों को कपड़े के थैले वितरित किए गए। कार्यक्रमों में पार्षदों एवं वार्ड कमेटी सदस्यों ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे खरीदारी के लिए कपड़े या अन्य पर्यावरण अनुकूल थैलों का प्रयोग करें और प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल से बचें।

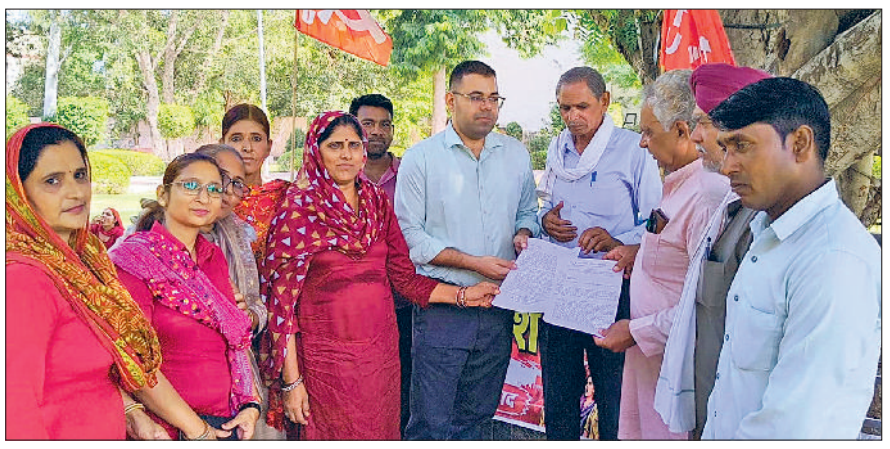
## मानदेय बढ़ाने, न्यूनतम वेतन और पक्का दर्जा देने की मांग

# स्कीम वर्कर्स का सब्र टूटा, दिसंबर में दिल्ली कूच का किया ऐलान

### सांसद बराला के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

केंद्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं में वर्षों से सेवाएं दे रही लाखों स्कीम वर्करों के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। मानदेय में बढ़ोतरी, न्यूनतम वेतन और पक्के कर्मचारी के दर्जे जैसी लंबित मांगों को लेकर रविवार को जिला फतेहाबाद की सैकड़ों स्कीम वर्कर सीटू के आह्वान पर लघु सचिवालय स्थित दीनदयाल पार्क में एकत्रित हुईं। यहां उन्होंने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। इस दौरान वर्करों ने चेतावनी देते हुए आगामी एक से 3 दिसंबर तक दिल्ली के रामलीला मैदान में जुटने और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने का बड़ा ऐलान किया। वर्करों ने राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा और उनसे संसद में स्कीम वर्करों की आवाज उठाने का अनुरोध किया।



फतेहाबाद। विरोध सभा के बाद अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए स्कीम वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

### 42 हजार रुपये न्यूनतम वेतन और 21 हजार पेंशन की मांग

दीनदयाल पार्क में आयोजित इस विरोध सभा की अध्यक्षता संयुक्त रूप से गगनदीप और शीला शक्करपुरा ने की, जबकि मंच संचालन सविता भूना और मदन सिंह ने संभाला। सभा को संबोधित करते हुए सीटू नेताओं ओमप्रकाश अनेजा, गगनदीप और शीला शक्करपुरा ने कहा कि देश भर में केंद्र सरकार की परियोजनाओं में करीब एक करोड़ वर्कर कार्यरत हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं हैं। इसके बावजूद इन जनहितैषी योजनाओं के लिए न तो पर्याप्त बजट आवंटित किया जा रहा है और न ही इन्हें स्थायी विभाग में तब्दील किया जा रहा है। सरकार इन्हें 'मानदेय' या 'स्वयंसेविका' का नाम देकर एक तरह से महिलाओं के श्रम की चोरी कर रही है। सुमन धारणीया, सुमित्रा बड़ोपल, सुनील कुमार भट्ट, बेग राज, सोनू धांगड़, भागी भट्ट, अनीता दमकोरा और कांता पिरथला ने मांगों को रखते हुए कहा कि 45वें श्रम सम्मेलन की सिफारिशों के अनुसार सभी आंगनवाड़ी वर्कर व हेल्पर, आशा वर्कर, मिड-डे मील वर्कर और क्रैच वर्करों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। इसके अलावा सभी स्कीम वर्करों को कम से कम 42,000 रुपये प्रति माह न्यूनतम वेतन पूरे 12 महीने के लिए दिया जाए तथा सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के लाभ के साथ 21,000 रुपये प्रति माह पेंशन सुनिश्चित की जाए। वर्करों ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को रद्द करने, मिड-डे मील वर्करों की छंटनी पर रोक लगाने और हटाई गई वर्करों को बहाल करने की भी पुरजोर मांग उठाई। वर्करों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द इन समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 1 से 3 दिसंबर 2026 तक दिल्ली में होने वाले संसद मार्च में फतेहाबाद से बड़ी संख्या में वर्कर भाग लेंगी।

# सरकार किसान के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : गोपाल शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझता है। संगठन की मजबूती का वास्तविक आधार कार्यकर्ताओं का समर्पण और आम जनता से सीधा संवाद ही है। केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण एवं उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, क्योंकि किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास की सबसे मजबूत नींव हैं। यह बात भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं फतेहाबाद जिला प्रभारी गोपाल शर्मा ने गांव दरियापुर में पार्टी कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों से संवाद के दौरान कही। भाजपा प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा गांव दरियापुर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन इंद्र गावड़ी के प्रतिष्ठान पारस रिसोर्ट्स पहुंचे थे, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और किसान भाइयों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा खेती-किसानी, फसलों और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।



फतेहाबाद। भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा का स्वागत करते इन्द्र गावड़ी।

### श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन गूंजे भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे

भूना। उकलाना रोड स्थित शिव कावड़ संघ मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान मंदिर परिसर भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक श्री श्री 1008 स्वामी राजदास महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए भक्ति, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। स्वामी राजदास महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा दिखाने वाला आध्यात्मिक मार्ग है।

# फर्जी बैंक कॉल से बेहद सतर्क रहने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

साइबर अपराधी आमजन की गाढ़ी कमाई उड़ाने के लिए रोज नए-नए पैंतरे आजमा रहे हैं। इसी के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने जिलावासियों को फर्जी बैंक कॉल से बेहद सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फोन पर खुद को बैंक अधिकारी या कस्टमर केयर प्रतिनिधि बताकर एटीएम कार्ड ब्लॉक होने, केवाईसी अपडेट न होने या बैंक खाता बंद होने का डर दिखाने वाले किसी भी व्यक्ति पर कतई भरोसा न करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर ठगों की कार्यप्रणाली बेहद शातिराना होती है। वे पहले लोगों को डराकर हड़बड़ी में निर्णय लेने के लिए मजबूर करते हैं। इसके बाद सेवा चालू रखने का बहाना बनाकर कार्ड नंबर, ओटीपी या बैंकिंग जानकारी हासिल कर लेते हैं। ठग मोबाइल पर फर्जी लिंक भेजकर क्लिक करने या स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड कराने का भी प्रयास करते हैं, जिससे बैंक खाते से पलक झपकते ही अनधिकृत लेन-देन हो जाता है।



# वृद्धाश्रम पहुंचे डेरा श्रद्धालु, जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता व खाद्य सामग्री बांटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां द्वारा दी जा रही शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए फतेहाबाद के डेरा श्रद्धालु लगातार मानवता भलाई के कार्यों में जुटे हुए है। इसी कड़ी में डेरा श्रद्धालुओं ने वृद्धाश्रम पहुंचकर जरूरतमंद बुजुर्गों की आर्थिक सहायता की तथा उनके लिए खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई। डेरा के सेवादारों ने बुजुर्गों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान सेवा कार्य में शामिल सेवादारों ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना और उनके जीवन में खुशियां लाना ही सच्ची मानव सेवा है। इसके अलावा साध-संगत द्वारा समय-समय पर आवारा पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था भी की जाती है। गर्मी, सर्दी और अन्य परिस्थितियों में पशुओं के लिए चारा उपलब्ध करवाकर उनकी सेवा की जा रही है। साध-संगत द्वारा किए जा रहे इन सेवा कार्यों की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जरूरतमंदों, बुजुर्गों और बेजुबान पशुओं की सहायता के लिए किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में सेवा, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।



फतेहाबाद। वृद्धाश्रम में सेवा करने पहुंचे डेरा श्रद्धालु।

# भूना नमो वाटिका पार्क का किया शिलान्यास

## गुलमोहर के पौधों से हुई हरियाली की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

मॉडल टाउन में रविवार को नमो वाटिका पार्क का विधिवत शिलान्यास किया गया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्य अतिथि पार्क का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक दूड़ा राम विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। नगर पालिका चेयरपर्सन अर्पणा पसरीजा और वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के संयोजक गुलशन हंस ने नमो वाटिका पार्क की योजना और इसके उद्देश्य की विस्तार से जानकारी दी। मंच संचालन मास्टर पंकज पसरीजा ने किया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि नमो वाटिका पार्क को सुंदर और आकर्षक रूप दिया जाएगा। वाटिका में रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे लगाए जाएंगे, जिससे क्षेत्र की सुंदरता बढ़ने के साथ लोगों को हरियाली और स्वच्छ वातावरण भी मिलेगा। पार्क के शिलान्यास के अवसर पर पहले दिन गुलमोहर के पौधे लगाए गए। इन पौधों पर लाल, पीले और गुलाबी रंग के फूल खिलने के बाद वाटिका की सुंदरता और बढ़ेगी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।



भूना। मनो वाटिका पार्क का शिलान्यास करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला आदि।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सफाई आयोग के सदस्य चंद्र प्रकाश बोस्ती, मार्केट कमेटी अध्यक्ष राजवीर नहला, वाइस चेयरमैन कैलाश बंसल, मंडल अध्यक्ष मनदीप योगी, श्यामलाल बंसल, बंटी कटारिया,सरपंच सुरेश कंबोज, पूनम सिंगला, नंदलाल कंबोज, पार्षद प्रकाश कुमार, अतुल सोनी, रोहतास गोयल, पार्षद प्रतिनिधि बलजीत सोनी, जोनी खट्टर, बजरंग शर्मा, राजू कंबोज, मनोनीत पार्षद जम्मू राम कंबोज, पूर्व सरपंच राजवीर दहिया, विनोद खिचड़, मेनपाल गोदारा, सीताराम सरपंच, राजबीर बिश्नोई, पूर्व अध्यक्ष चंद्र सोनी, सुभाष गेदर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

# बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसो. ने मांगों को लेकर विधायकों को सौंपे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी में एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के पदों को कैप्ट किए जाने के विरोध में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा की ओर से ऐलनाबाद विधायक भरत सिंह बेनीवाल और रानियां विधायक अर्जुन चौटाला को ज्ञापन सौंपे। इसी के साथ सिरसा के विधायक गोकुल सेतिया के घर जाकर ज्ञापन सौंपा। ये ज्ञापन राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष लाल चंद के नेतृत्व में जिला सिरसा के कर्मचारियों ने दिया। एसोसिएशन ने ज्ञापन के माध्यम से मांग रखी गई है कि स्वीकृत पदों को कैप्ट करने के बजाय सभी स्वीकृत पदों को खोला जाए, ताकि कर्मचारियों को मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी का लाभ मिल सके। ज्ञापन में एसोसिएशन ने कहा कि सरकार की पारदर्शी तबादला नीति के तहत कर्मचारियों को स्थानांतरण के लिए प्राथमिकता के अनुसार विकल्प भरने का अवसर दिया जाता है। ऐसे में स्वीकृत पदों को कैप करने से कर्मचारियों को अपनी पसंद के स्थान पर तबादला करवाने का अवसर सीमित हो जाता है। एसोसिएशन ने विधायक से मांग की कि इस मामले को सरकार के समक्ष उठाकर कर्मचारियों के हित में आवश्यक कार्रवाई करवाई जाए।



सिरसा। विधायक भरत सिंह बैनीवाल को ज्ञापन सौंपते स्वास्थ्य कर्मचारी।



### जातीय जनगणना करवाने की मांग

**फतेहाबाद।** हरियाणा में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज की ओर से राज्य सरकार से प्रदेश में जल्द से जल्द जातीय जनगणना करवाए जाने की पुरजोर मांग की गई है। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रदेश में पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से जातीय जनगणना करवाई जानी चाहिए, ताकि प्रत्येक जाति की वास्तविक जनसंख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के प्रामाणिक आंकड़े सामने आ सकें। इस संबंध में फतेहाबाद में मुकेश प्रजापति की अध्यक्षता में ओबीसी समाज की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित समाज के प्रबुद्ध लोगों ने एकजुट होकर सरकार के समक्ष अपनी मांग रखी और इस संबंध में रणनीति तैयार की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुकेश प्रजापति तथा अन्य वक्ताओं ने कहा कि जब तक समाज की सही संख्या और आर्थिक-सामाजिक स्थिति का सटीक डेटा उपलब्ध नहीं होगा, तब तक शिक्षा, सरकारी नौकरियों में रोजगार, आरक्षण का लाभ, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और जन कल्याणकारी योजनाओं में ओबीसी वर्ग की न्यायपूर्ण हिस्सेदारी तय करना बेहद कठिन है।

# सेवा संकल्प अभियान के तहत हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सिरसा शहरी व बड़ागुढ़ा ब्लॉक में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी योजनाओं और सेवाओं के बारे में आमजन को जागरूक करना तथा विभागीय सेवाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना रहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक डॉ. दर्शना सिंह ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों एवं परिवारों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी सीधे लोगों तक पहुंचती है और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रेखा, जिला सचिव सोनिया शर्मा, नगर पार्षद, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित महिलाओं एवं आमजन से संवाद करते हुए उन्हें महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित सेवाओं और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।



सिरसा। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

## कलम केवल चित्र ही नहीं, भावनाओं व विचारों की अभिव्यक्ति भी : जगदीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

चौधरी देवी लाल राजकीय इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थानपंनीवाला मोटा में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अभियान मे चित्रकला के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने रचनात्मक, सामाजिक जागरूकता एवं सेवा भावना के साथ-साथ विकसित भारत 2047 की झलक पेश की। वही इस आयोजन दोरान ड्राइंग प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने रंगों और कल्पना शक्ति के माध्यम से सेवा से संकल्प, सहयोग, मानवता एवं सामाजिक एकता का बेहद ही महत्वपूर्ण संदेश दिया। प्रतिभागियों की रचनाओं में राष्ट्र के प्रति सेवा भाव और सकारात्मक सामाजिक सोच की झलक साफ तोर पर देखने को मिली। इस प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पर रोज़ी सीएससी रही। दूसरे स्थान पर कविता सीएसई व तीसरे स्थान पर पुलकित रहे। संस्थान के निदेशक प्रधानाचार्य प्रो. जगदीश कुमार ने छात्र-छात्राओं को बताया कि शब्दों से विचार जागते हैं और चित्रों से भावनाएं, वहीं कलम केवल चित्र नहीं, भावनाओं और विचारों की भी अभिव्यक्ति है।



सिरसा। चित्रकला प्रतियोगिता का निरीक्षण करते प्राध्यापक।

## श्रीमद्भागवत कथा में कथाव्यास राहुल शास्त्री ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का किया वर्णन

# सच्ची भक्ति में प्रेम, समर्पण व विश्वास महत्वपूर्ण : शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

बाबा श्योराम जन्मस्थली पर जारी श्रीमद्भागवत कथा के 6वें दिन कथाव्यास आचार्य राहुल शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कुब्जा के उद्धार, कंस वध, उद्धव के वृंदावन गमन तथा राजा परीक्षित के तक्षक सर्प के डसने के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथाव्यास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण जब मथुरा पहुंचे तो उन्होंने कुब्जा का उद्धार किया। भगवान के स्पर्श मात्र से कुब्जा का जीवन बदल गया। इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध कर मथुरा की प्रजा को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई। कंस के वध के बाद भगवान ने अपने माता-पिता वासुदेव और देवकी को कारागार से मुक्त कराया तथा उग्रसेन को पुनः मथुरा का राजा बनाया। कथावाचक ने बताया कि कथा में उद्धव जी के वृंदावन जाने का प्रसंग भी सुनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण ने उद्धव को गोपियों और ब्रजवासियों को ज्ञान योग का संदेश देने के लिए वृंदावन भेजा।



सिरसा। कथा श्रवण करते हुए श्रद्धालु।

### जयकारों से वातावरण बना भक्तिमय

कथाव्यास ने कहा कि सच्ची भक्ति में प्रेम, समर्पण और विश्वास सबसे महत्वपूर्ण हैं। कथा के दौरान राजा परीक्षित की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया गया। बताया गया कि राजा परीक्षित को श्राप मिला था कि सातवें दिन तक्षक नामक सर्प के डसने से उनकी मृत्यु होगी। समय पूरा होने पर तक्षक सर्प ने राजा परीक्षित को डस लिया और उनका शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। यह प्रसंग मनुष्य को जीवन की नश्वरता तथा भगवान के नाम स्मरण के महत्व का संदेश देता है। कथाव्यास ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक ग्रंथ है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हमें अधर्म का त्याग कर धर्म, सत्य, प्रेम और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भजनों और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बाबा हरपालदास ने बताया कि कल 5 अक्तूबर को प्रातः 9.15 बजे डेरा परिसर में हवन यज्ञ व भंडारा होगा।

## खबर संक्षेप

### झांसा देकर साइबर ठग लगा रहे चूनाः एसपी

**सिरसा।** पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि शेयर मार्केट में ट्रेडिंग कर रातों-रात मोटा मुनाफा कमाने की चाहत रखने वाले लोगों को साइबर ठग अपना निशाना बना रहे हैं। साइबर अपराध से बचाव को लेकर एसपी ने रविवार को एडवाजरी करते हुए कहा कि किसी भी तरह के लालच में आकर अपनी बैंकिंग अथवा लेन-देन संबंधी जानकारी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही मेहनत की गाढ़ी कमाई पर भारी पड़ सकती है।

### मेला पीरा दा का आयोजन भजनों पर झूमे श्रद्धालु

**सिरसा।** बाबा हैदर शेख सेवा समिति सिरसा के तत्वावधान में 13वां मेला पीरा दा का आयोजन किया गया। हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान मनीष सिंगला ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गद्दीनशीन हेमंत बाबा ने सभी भक्तों को अपना आशीर्वाद दिया और मार्गदर्शन करते हुए संदेश दिया कि हमें हमेशा परमात्मा के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। रात्रि के समय आयोजित भजन संध्या में कलाकारों ने समां बांध दिया। नूर जौली, बंटी शर्मा एवं विनोद फ्रंड द्वारा प्रस्तुत भजनों विशेषकर कोटले दा पीर मेरे घर आ गया...पर पूरी रात सेवादारों ने नृत्य कर अपनी श्रद्धा और खुशी व्यक्त की।

### शिकायतों के निपटारे में देरी बर्दाश्त नहीं: डीएसपी

**सिरसा।** डीएसपी सुभाष चंद्र ने कहा कि शिकायतों के निपटारे में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच अधिकारी मामलों की नियमित समीक्षा करें और महिला विरुद्ध शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाएं। डीएसपी सुभाष चंद्र रविवार को रानियां थाना में जांच अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक मामले की निष्पक्षता से जांच कर पीड़ित को समय पर न्याय दिलाने का प्रयास किया जाए। डीएसपी ने विशेष रूप से सीएम विंडो, पीएम विंडो और महिलाओं से संबंधित शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

# विशेष लोक अदालत में 60 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा

## विभिन्न अदालतों में लंबित कुल 405 मामले न्यायाधीश के सामने रखे गए






हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश तथा सिरसा में स्पेशल लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक अग्रवाल के आदेशानुसार चेक बाउंस मामलों के त्वरित समाधान के लिए फतेहाबाद, रतिया और टोहाना के न्यायिक परिसरों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इस विशेष लोक अदालत में विभिन्न अदालतों में लंबित कुल 405 मामले रखे गए, जिनमें से 60 मामलों का दोनों पक्षों की आपसी सहमति से समाधान किया गया। ?जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. सुयशा जावा ने जानकारी देते हुए बताया कि एनआई एक्ट की धारा 138 के तहत लंबित मुकदमों और उनसे जुड़ी अपीलों को इस अदालत में शामिल किया गया था। दोनों पक्षों ने उपस्थित होकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने विवादों का निपटारा किया।

डॉ. जावा ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निपटारे से पक्षकारों के समय, धन और ऊर्जा की बचत होती है। साथ ही, अनावश्यक देरी के बिना विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोक अदालत द्वारा दिया गया फैसला अंतिम होता है और यह सभी पक्षों पर समान रूप से मान्य होता है।

विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए फतेहाबाद न्यायालय परिसर का निरीक्षण भी किया गया। उपमंडल स्तर पर रतिया और टोहाना स्थित न्यायिक परिसरों में भी इस विशेष लोक अदालत का सफल संचालन हुआ।

### चेक बाउंस के 63 मामलों का निपटारा

**सिरसा।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया के मार्गदर्शन में सिरसा, ऐलनाबाद और डबवाली में चेक बाउंस से संबंधित मामलों के निपटारे के लिए स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 88 मामलों में से 63 मामलों का निपटारा किया गया। इन मामलों में 3 करोड़ 87 लाख 53 हजार 576 रुपये की राशि का समायोजन हुआ। स्पेशल लोक अदालत के दौरान जिला न्यायालय सिरसा, उपमंडल न्यायालय डबवाली तथा उपमंडल न्यायालय ऐलनाबाद में लंबित चेक बाउंस के मामलों की सुनवाई की गई। जिला न्यायालय सिरसा में अतिरिक्त सेशन जज नवजीत क्लेर तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रिचु की अदालतों में रखे गए मामलों के अलावा डबवाली में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिव देव शर्मा और ऐलनाबाद में सब-डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आशीष आर्य की अदालतों में मामलों की सुनवाई की गई। स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा किया गया।

ज्वेलर्स लूट में पुलिस का बड़ा दावा

# लूट का माल बांटा, फिर अलग अलग ठिकानों पर छिपाया

- मास्टरमाइंड समेत तीन दबोचे, 3.49 किलो चांदी बरामद, तेजधार हथियार दिखाकर 4 किलो चांदी और 5 ग्राम सोना लूटने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



**फतेहाबाद।** ज्वैलर से लूटपाट मामले में जानकारी देते डीएसपी जय सिंह।

चांदपुरा-सिधानी रोड पर ज्वैलर को हथियार दिखाकर लाखों के जेवरात से भरा बैग लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इनमें जगसीर उर्फ जस्सी को वारदात का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अब तक 3 किलो 490 ग्राम चांदी और करीब 4 ग्राम सोना बरामद किया है। बरामद माल की कीमत करीब 8 लाख 62 हजार 700 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार लूट की यह वारदात 28 सितंबर की शाम करीब 6:50 बजे हुई थी। चांदपुरा निवासी जश्नप्रीत सिंह की सिधानी में सोने-चांदी के आभूषणों की दुकान है। दुकान बंद करने के बाद वह मोटरसाइकिल से गांव लौट रहा था। चांदपुरा-सिधानी रोड पर पेट्रोल पंप के पास दो युवकों ने मोटरसाइकिल आगे लगाकर उसका रास्ता रोक लिया। दोनों ने चेहरे ढके हुए थे और तेजधार हथियार दिखाकर उसका काले रंग का बैग छीन लिया। बैग में करीब 4 किलो चांदी और लगभग 5 ग्राम सोने के आभूषण बताए गए थे। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान 1 अक्टूबर को जगसीर उर्फ जस्सी को गिरफ्तार किया गया। रिमांड के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 626 ग्राम चांदी बरामद हुई। पुलिस का दावा है कि जगसीर से पूछताछ के बाद लवप्रीत और दीपक उर्फ काला तक पुलिस पहुंची। दोनों को 2 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। लवप्रीत के कब्जे से 700 ग्राम चांदी और 4 ग्राम सोना बरामद हुआ, जबकि दीपक उर्फ काला से 1 किलो 164 ग्राम चांदी मिली।

### वारदात में प्रयोग किए सामान को बरामद करने में जुटी पुलिस

पुलिस के मुताबिक वारदात के बाद लूटे गए आभूषण आरोपियों के बीच बांट दिए गए। जांच में जगसीर और दीपक की भूमिका लूटे गए माल को अपने कब्जे में रखने और उसे ठिकाने लगाने से जुड़ी सामने आई है। पुलिस अब बरामदगी के साथ वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और बाकी बचे आभूषणों की तलाश कर रही है।

# हाईकोर्ट के फैसले ने भर्ती व्यवस्था पर खड़े किए बड़े सवाल: सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा



सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती से जुड़ा मामला प्रदेश की उच्च शिक्षा भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले से यह सिद्धांत स्पष्ट हुआ है कि आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अपनी मेरिट के आधार पर सामान्य श्रेणी में स्थान बनाने योग्य है तो उसे उस अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। आरक्षण संविधान प्रदत्त सामाजिक न्याय का अधिकार है और इसे कमजोर करने का कोई प्रयास स्वीकार नहीं किया जा सकता। सांसद सैलजा ने रविवार को जारी प्रेस बयान में कहा कि मामले में सामान्य श्रेणी में चयनित उम्मीदवार के 37.91 अंक थे, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग के कुछ उम्मीदवार इससे अधिक अंक प्राप्त करने के बावजूद चयन से बाहर रहे। यह गंभीर विषय है कि योग्य युवाओं को अपनी मेहनत और मेरिट से हासिल अधिकार के लिए अदालत की शरण लेनी पड़ी। भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों पैदा हुई और भर्ती प्रक्रिया में संवैधानिक प्रावधानों का सही अनुपालन सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया। सांसद ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा मेरिट के आधार पर नियुक्ति, आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा, पहले से कार्यरत कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा तथा पात्र उम्मीदवारों को नियमानुसार वरिष्ठता का लाभ देने संबंधी निर्देश महत्वपूर्ण हैं।

# बीएड कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

- कीरत पाल मिस फ्रेशर और सचिन बने मिस्टर फ्रेशर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद




**फतेहाबाद।** बीएड कॉलेज में आयोजित फ्रेशर्स पार्टी में भाग लेते विद्यार्थी।

मनोहर मेमोरियल शिक्षण महाविद्यालय में बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रथम वर्ष के नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान नए विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरा महाविद्यालय परिसर तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम में डांस, गायन, रैंप वॉक और कई मनोरंजक खेलों सहित विभिन्न सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी एक से बढक़र एक रंगारंग प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांध दिया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा एवं रचनात्मकता को मंच पर प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर मिला।

कार्यक्रम का सफल आयोजन अमनप्रीत के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद बी.एड. प्रथम वर्ष में कीरत पाल को 'मिस फ्रेशर' तथा सचिन को 'मिस्टर फ्रेशर' चुना गया। वहीं डी.एल.एड. प्रथम वर्ष में मनीषा ने 'मिस फ्रेशर' का खिताब अपने नाम किया। विजेताओं की घोषणा होते ही साथियों ने उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने नवागंतुक विद्यार्थियों का संस्थान परिवार में स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है।

### साइबर ठगी का एक और आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस ने बीमा पॉलिसी में मोटे फायदे का झांसा देकर 4 लाख 46 हजार 882 रुपये की ठगी करने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले से जुड़े एक और सह-आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुरेश पाल पुत्र जिले सिंह निवासी त्रिशूल कॉलोनी, कंगनहेड़ी, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल में भेज दिया गया है। इस अंतरराज्यीय ठगी गिरोह के मामले में फतेहाबाद साइबर पुलिस अब तक कुल 9 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। थाना साइबर क्राइम प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि गांव हिजरावां कलां निवासी बलजिन्द्र सिंह ने साइबर पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया था कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने खुद को एक प्रतिष्ठित बीमा कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उससे संपर्क साधा। आरोपियों ने पीड़िता को फर्जी कस्टमर आईडी बनाने व अन्य लालच देकर ठगी की।





सिरसा। अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की बैठक में उपस्थित कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

### अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों की बैठक में मुद्दों पर मंथन

**सिरसा।** अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की बैठक रविवार को हुई। प्रदेश महामंत्री मनीष कुमार व प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता बराला ने संगठन की रीति नीति, संगठन द्वारा अनुबंध कर्मचारियों के हकों के लिए किए गए ऐतिहासिक संघर्ष और सरकार से मनवाई गई मांगों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। सभा में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने संगठन को पूर्ण विश्वास दिलाया कि वे जल्द ही जिले के सभी कर्मचारियों से संपर्क कर जिला कार्यकारिणी का गठन करेंगे। साथ ही अन्य संगठनों से आजादी दिलाकर सिरसा जिले के सभी अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों को अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ-2107 के बैनर तले एकजुट कर अपने हकों की लड़ाई को मजबूती से लडने का कार्य करेंगे। इस सभा में सूरज, तरसेम, विनोद, अरुण, अशोक, लवलेश, राकेश, सनी, विशाल आदि मौजूद रहे।

### भगवान का स्मरण और जरूरतमंदों की सेवा अवश्य करें: आशीष वशिष्ठ

**सिरसा।** शहर के कांडा कॉलोनी में जारी श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा वाचक आचार्य आशीष वशिष्ठ ने श्रद्धालुओं को भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान की भक्ति, सत्संग और सद्कर्मों के महत्व से अवगत करवाया। कथा के दौरान राजा परीक्षित, शुकदेव तथा भगवान के विभिन्न दिव्य प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथाव्यास ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञान का भंडार है। श्रद्धा और विश्वास के साथ कथा का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में अच्छे कर्मों को अपनाते हुए भगवान का स्मरण और जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए। अहंकार, क्रोध और मोह का त्याग कर प्रेम, दया, करुणा और सद्भावना के मार्ग पर चलना ही सच्ची भक्ति है।



# कवि गोष्ठी में डॉ. नवल सिंह व सुदामा शास्त्री को मिला साहित्य सृजक सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- हरियाणा कला-संस्कृति मंच ने नवाजा



**फतेहाबाद।** कवि गोष्ठी में डॉ. नवल सिंह व सुदामा शास्त्री को साहित्य सृजन सम्मान देते मंच सदस्य। फोटो: हरिभूमि

शहर के बीघड़ रोड स्थित सेंट जोसेफ इन्टरनेशनल स्कूल में प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था हरियाणा कला-संस्कृति मंच की ओर से कवि गोष्ठी व साहित्यकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया, उपकेन्द्र फतेहाबाद के वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक जितेन्द्र कुमार ने भाग लिया वहीं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षाविद् व समाज सेवी सर्वजीत सिंह मान तथा डीएवी पुलिस स्कूल की प्राचार्या महिमा तनेजा मौजूद रही। विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ लेखिका डॉ. सुमन कादयान व नीर धरोहर सोसायटी की अध्यक्ष मुकेश वर्मा ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया, प्राध्यापक एवं युवा कवि कपिल सांगड़ा, कवयित्री सुमनलता सुमन, देवेन्द्र अशंक, दीपक टोहाना ने काव्य पाठ किया। इस दौरान हिन्दी साहित्य सृजन में विशेष योगदान व सराहनीय कार्य करने के लिए टोहाना के डॉ. नवल सिंह तथा फतेहाबाद के कवि डॉ. सुदामा शास्त्री को साहित्य-सृजक सम्मान से नवाजा गया। नवल सिंह की विभिन्न विधाओं अब तक करीब 14 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, वहीं सुदामा शास्त्री साहित्य उत्थान के लिए पिछले करीब 25 सालों से बेहतरीन प्रयास कर रहे हैं।



सिरसा। भारतीय मजदूर संघ हरियाणा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल पदाधिकारी।

### भारतीय मजदूर संघ बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

**सिरसा।** भारतीय मजदूर संघ हरियाणा की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक सिरसा में हुई। प्रदेशाध्यक्ष अशोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पिछली 23 मई की बैठक की समीक्षा एवं आगामी रणनीति तैयार की गई। प्रदेश के कांट्रेक्चुअल कार्यों की सेवा सुरक्षा का मुद्दा विशेष रहा। इसके अलावा प्रदेश के वर्ष 2027 के अधिवेशन की चर्चा कर इसकी रूपरेखा तैयार की गई। अगले प्रदेश का अधिवेशन 5/6 व 7 फरवरी 2027 को कैथल जिला में होगा। इसके साथ-साथ वर्ष 2029 का अखिल भारतीय अधिवेशन हरियाणा प्रांत में होगा, उस पर भी चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति के बारे बताया गया और संदेश दिया कि भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता समर्पण भाव लेकर संगठन का कार्य करें। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों में काम करने की ज्यादा जरूरत है।

### सैनी सभा ट्रस्ट की कार्यकारिणी के चुनाव 29 नवंबर को

**सिरसा।** सैनी सभा ट्रस्ट स्रद्ध बैठक रविवार को हुई। बैठक में नई कार्यकारिणी को लेकर चर्चा की गई और सभी ने सर्वसम्मति से आगामी 29 नवंबर को चुनाव करवाने की तिथि निर्धारित की। चुनाव प्रधान, सचिव व कोषाध्यक्ष के पदों के लिए करवाए जाएंगे। चुनाव के लिए आरओ व पर्यवेक्षक की नियुक्ति कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि सैनी सभा ट्रस्ट के 101 सदस्य हैं, जिन्हें वोट करने का अधिकार है। प्रधान नरेंद्र सैनी ने बताया कि सैनी सभा ट्रस्ट की वर्तमान कार्यकारिणी ने समाज के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। समाजहित के कार्यों के साथ-साथ अनेक कार्यक्रम आयोजित कर समाज का नाम रोशन करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महानुभावों को सम्मानित किया गया है ताकि समाज के अन्य लोगों को उनसे प्रेरणा मिल सके। बैठक में सचिव अमीचंद सैनी, सहसचिव ईश्वर सैनी, बृजलाल सैनी, मुकेश सैनी, दुलीचंद सैनी, साधुराम सैनी, तुलसीराम सैनी, द्वारकाप्रसाद सैनी, मोती सैनी, जुगल सैनी, श्याम सुंदर सैनी, अनिल सैनी, प्रेम सैनी, रविंद्र सैनी, ललित सैनी, कुलदीप सैनी, कमल सैनी सहित अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

### बीडीपीओ कार्यालय ओढ़ां तथा बड़ागुढ़ा में विशेष कैंप कल

**सिरसा।** सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा सेतु अभियान जन कल्याण कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। कैंपों में नागरिकों की समस्याएं संबंधित विभागों द्वारा मौके पर सुनी जाएंगी तथा पात्र लाभार्थियों के आवेदन एवं पंजीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी। छह अक्टूबर को बीडीपीओ कार्यालय ओढ़ां तथा बीडीपीओ कार्यालय बडागुढ़ा में सेवा सेतु अभियान कैंप लगाया जाएगा। सात अक्तूबर को खंड ओढ़ां के गांव जगमालवाली तथा खंड बड़ागुढ़ा के गांव बीरूवालागुढ़ा में कैंप आयोजित किए जाएंगे। आठ अक्टूबर को खंड ओढ़ां के गांव पन्नीवाला मोटा तथा खंड बडागुढ़ा के गांव रोड़ी में कैंप लगाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 13 अक्टूबर को बीडीपीओ कार्यालय खंड नाथूसरी चौपटा तथा नगर पालिका कालांवाली में कैंप आयोजित होगा। 14 अक्टूबर को खंड नाथूसरी चौपटा के गांवों में कैंप लगेगा।

## जागो संस्था ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जताई चिंता

# खाली प्लाट भी बनेंगे हरियाली का आधार

- सोंटी की तर्ज पर हाईटेक नर्सरी स्थापित करने, खाली प्लाटों पर पौधरोपण व प्रदूषण रोकने के लिए कठोर कानून की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद



**फतेहाबाद।** विधायक दौलतपुरिया को ज्ञापन सौंपते जागो संस्था के सदस्य।

जिले में निरंतर कम हो रहे वन क्षेत्र और बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन को लेकर सामाजिक संगठन जागो संस्था ने गहरी चिंता व्यक्त की है। खाली प्लाटों को हरियाली का आधार बनाने की मांग को लेकर संस्था के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा पर्यावरण समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया को ज्ञापन सौंपा। संस्था के प्रधान देवेंद्र दहिया के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में विधायक से आग्रह किया गया है कि वे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े इन अति महत्वपूर्ण विषयों को अपनी समिति के साथ-साथ विधानसभा के आगामी सत्र में प्रमुखता से उठाए और इसके लिए कठोर कानून व नीति बनवाने का मार्ग प्रशस्त करें। संस्था ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया कि छह लाख एकड़ कृषि योग्य भूमि वाले फतेहाबाद जिले में वन क्षेत्र मात्र 1.5 प्रतिशत ही रह गया है।

जिले में सर्वाधिक वन क्षेत्र भट्टूकलां में है, परंतु वहा एक भी सरकारी नर्सरी उपलब्ध नहीं है। संस्था ने मांग की है कि जिस प्रकार सरकार ने लाडवा के समीप सोंटी में उन्नत किस्म की सफेदे की हाईटेक नर्सरी स्थापित की है, उसी तर्ज पर फतेहाबाद में भी सरकारी क्लोन नर्सरी विकसित की जाए। संस्था ने सुझाव दिया कि किसानों को सामुदायिक वानिकी के तहत पौधे लगाने पर कार्बन क्रेडिट योजना के अंतर्गत प्रति एकड़ कम से कम 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।

### प्रदूषण नियंत्रण पर बने सख्त कानून

ज्ञापन में श्रीमद्भागवत गीता के श्लोकों का संदर्भ देते हुए प्रकृति की शुद्धता को मानव कर्मों और 24 तत्वों से जोड़ा गया है। संस्था ने मांग की कि शहरों में खाली पड़े प्लाटों पर बकैन, गुलमोहर, अमरूद आदि का पौधरोपण अनिवार्य किया जाए तथा नियमों की अवहेलना करने वालों से व्यावसायिक दर पर हाउस टैक्स वसूला जाए। इसके साथ ही, समारोहों में बजने वाले डीजे से होने वाले ध्वनि प्रदूषण, नहरों के जल को दूषित करने वालों और सिंगल यूज प्लास्टिक का एकत्रीकरण व उपयोग करने वालों पर भारी अर्थदंड लगाने का कड़ा प्रावधान किया जाए। इस अवसर पर संस्था के प्रधान देवेंद्र दहिया, सुरेंद्र असीजा, बोबी नागपाल, ब्राइट गोदारा, राजेंद्र, विनोद व विजय उपस्थित रहे। विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे पर्यावरण से जुड़े इन सभी बिंदुओं को गंभीरता से उचित मंच पर उठाया जाएगा।